



RBI खरीदेगा सरकारी प्रतभूतियाँ

संदर्भ

हाल ही में भारतीय रज़िर्व बैंक ने टिकाऊ लक़्वडिटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये **खुले बाज़ार परचालन (OMO)** के तहत **120 बलियिन डॉलर** की सरकारी प्रतभूतियों को खरीदने की घोषणा की है।

महत्त्वपूर्ण बडि

- भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा खुले बाज़ार परचालन (OMO) के तहत सरकारी प्रतभूतियों को खरीदना व्यवस्था में लक़्वडिटी को बढावा देगा।
- भारत में लक़्वडिटी की स्थिति आमतौर पर वतितीय वर्ष (मध्य अक्टूबर के बाद) के दूसरे छमाही के दौरान मज़बूत हो जाती है।
- लक़्वडिटी आवश्यकताएँ दो प्रकार की होती हैं- अस्थायी और टिकाऊ।

◆ परसिंपत्तियों और देनदारियों के बीच अस्थायी वसिगतियों से अल्प-कालिक या अस्थायी लक़्वडिटी उत्पन्न होती है। ऐसी स्थितिसे नपिटने के लिये बैंक मुद्रा बाज़ार का इस्तेमाल करते हैं।

◆ एक साल की अवधि में कुल वदिशी संपत्तियों और शुद्ध घरेलू परसिंपत्तियों की संवृद्धि को व्यवस्थिति करते हुए दीर्घकालिक या टिकाऊ लक़्वडिटी की आवश्यकता को पूरा कयिा जाता है।

- ये प्रस्ताव भारतीय रज़िर्व बैंक के कोर बैंकगि समाधान (ई-कुबेर) प्रणाली पर इलेक्ट्रॉनिकि प्रारूप में प्रस्तुत कयिा जाएंगे।

सरकारी प्रतभूतियाँ (G-Sec)

- सरकारी प्रतभूतियाँ (G-Sec) वे सर्वोच्च प्रतभूतियाँ हैं जो भारत सरकार की ओर से रज़िर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा केंद्र/राज्य सरकार के बाज़ार उधार प्रोग्राम के एक भाग के रूप में नीलाम की जाती हैं।
- सरकारी प्रतभूतियों की एक नश्चिति या अस्थायी कूपन दर हो सकती है। इन प्रतभूतियों की गणना बैंकों द्वारा SLR बनाए रखने के लिये की जाती है।
- यह सरकार के ऋण दायित्व को स्वीकार करता है। ऐसी प्रतभूतियाँ अल्पकालिक (आमतौर पर एक वर्ष से भी कम समय की मेच्योरटि वाली इन प्रतभूतियों को ट्रेजरी बलि कहा जाता है जिसे वर्तमान में तीन रूपों में जारी कयिा जाता है, अर्थात् 91 दनि, 182 दनि और 364 दनि) या दीर्घकालिक (आमतौर पर एक वर्ष या उससे अधिक की मेच्योरटि वाली इन प्रतभूतियों को सरकारी बॉण्ड या दनिंकति प्रतभूतियाँ कहा जाता है) होती हैं।
- भारत में, केंद्र सरकार ट्रेजरी बलि और बॉण्ड या दनिंकति प्रतभूतियाँ दोनों को जारी करती है, जबकि राज्य सरकारें केवल बॉण्ड या दनिंकति प्रतभूतियों को जारी करती हैं, जिन्हें राज्य वकिस ऋण (SDL) कहा जाता है।

ई-कुबेर

- यह भारतीय रज़िर्व बैंक का कोर बैंकगि समाधान है जिसे 2012 में पेश कयिा गया था।
- कोर बैंकगि समाधान (CBS) को ऐसे समाधान के रूप में परिभाषिति कयिा जा सकता है जो बैंकों को एक ही स्थान से 24x7 आधार पर ग्राहक-केंद्रित सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम बनाता है।
- इस प्रकार केंद्रीकरण वतितीय सेवाओं हेतु सुवधिा मुहैया कराता है। कोर बैंकगि समाधान (CBS) का उपयोग करके ग्राहक अपने खातों को कसिी भी शाखा से, कसिी भी जगह से एक्सेस कर सकते हैं।
- ई-कुबेर प्रणाली को या तो INFINET या इंटरनेट के द्वारा एक्सेस कयिा जा सकता है। INFINET सदस्य बैंकों और वतितीय संस्थानों के वशिष उपयोग के लिये क्लोज़्ड यूज़र ग्रुप नेटवर्क है और राष्ट्रीय भुगतान प्रणाली के संचार हेतु रीढ़ की हड्डी है।

